पर हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। (संवाद)

परंपरागत खेलों को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ। परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने के लिए नारी शिक्षा निकेतन महाविद्यालय और यूपी नॉन ओलंपिक एसोसिएशन के बीच एमओयू हुआ। प्राचार्य प्रो. सपना वर्मा ने बताया कि कॉलेज में लड़कियों को गेंदताड़ी, गुट्टक, गुल्ली डंडा जैसे खेलों से परिचित करवाया जाएगा। एमओयू के समय प्रो. रुचि सक्सेना, प्रो. ममता डोगरा थे। (संवाद)

गुट्टक, गेंद-ताड़ी जैसे खेलों की होगी चैंपियनशिप

जासं, लखनऊ : नारी शिक्षा निकेतन पीजी कालेज में स्वदेशी परंपरागत खेलों को बढ़ावा दिए जाने के लिए यूपी नान ओलिंपिक एसोसिएशन के साथ एमओयू किया। इस पर प्राचार्य प्रोफेसर सपना वर्मा और एसोसिएशन के महासचिव एके सक्सेना ने हस्ताक्षर किए।

प्राचार्य ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य छात्राओं में मानसिक और शारीरिक विकास करना है। परंपरागत खेल जैसे सेवेन स्टोन, कैरम, शतरंज, लूडो, गेंद- ताड़ी, गुट्टक, गुल्ली -डंडा, रुमाल झपट्टा, सतोलिया, घोड़ा जमाल खाए, लट्टू हमारी भारतीय संस्कृति से जुड़े हुए हैं। ये खेल आज के ग्लैमर युग में विलुप्त होते जा रहे हैं। इन खेलों को आयोजित कराने का उद्देश्य नई पीढ़ी का मोबाइल और आनलाइन गेम से ध्यान हटाना है, ताकि उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत न बिगड़े। साथ ही बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस के साथ-साथ अन्य खेलों का भी प्रशिक्षण दिया जा सके। उन्होंने बताया कि आगामी दिसंबर में इन खेलों की अंतर महाविद्यालयीय चैंपियनशिप लखनऊ में कराई जाएगी। एमओयू के अवसर पर प्रोफेसर रुचि सक्सेना, प्रोफेसर ममता डोगरा और राघवेंद्र मिश्र उपस्थित रहे।

नारी शिक्षा निकेतन पीजी कालेज की प्राचार्य प्रोफेसर सपना वर्मा ने यूपी नान ओलिंपिक एसोसिएशन के महासचिव एके सक्सेना के साथ एमओयू किया● सौजन्य : कालेज